



अनंत परिवार के प्रेम की आशा

हमारे स्नेही स्वर्गीय पिता ने अपने बच्चों को उन सब भेंटों में से, सब से महान अनंत जीवन की प्रदान किया है। (देखें सिस और अनु 14:7)। वह भेंट परमेश्वर पिता और उनके एकलौते पुत्र की उपस्थिति में परिवारों के साथ हमेशा के लिये रहना की है। परिवारिक जीवन के स्नेही बंधन केवल सिलेस्टियल, परमेश्वर के सबसे उच्चतम राज्यों में जारी रहेंगे।

हम सब स्नेही परिवारों में आनंद से रहने की आशा करते हैं। हम में से कुछ के लिए, यह एक भावना है जिसका हमें अनुभव नहीं किया – एक भावना जिसे हमें जानना संभव है परंतु अभी तक उसका एहसास नहीं हुआ है। हमने यह दूसरो के जीवन में देखा होगा। हम में से दूसरो के लिये, परिवार का प्रेम तब सच्चा और बहुमूल्य लगता है जब मृत्यु हमें एक बच्चे, एक मां, एक पिता, एक भाई, एक बहन या एक स्नेह प्रिय दादा-दादी से अलग करती है।

हम सब ने उस आशा को महसूस किया था कि किसी दिन हम फिर से उस परिवार के सदस्य के प्रेम जिससे हमने बहुत प्रेम किया और अब दोबारासे गले लगने की वेदना को महसूस कर सकते हैं।

हमारे प्रिय स्वर्गीय पिता हमारे मनो को जानते हैं।

उनका उद्देश्य हमें खुशी देना है। (देखें 2 नफी 2:25)

और इस लिए उन्होंने इसे अपने पुत्र की भेंट से संभव किया ताकि परिवार के बंधन हमेशा के लिए बने रहें। क्योंकि उद्धारकर्ता ने मृत्यु के बंधनों को तोड़ा, हम जीवित होंगे। क्योंकि उन्होंने हमारे पापों के लिए अपना बलिदान दिया, हम अपने विश्वास और पश्चाताप से सिलेस्टियल राज्य के योग्य बनते हैं, जहां परिवार प्रेम के बंधनों में हमेशा के लिए जुड़ जाते हैं।

उद्धारकर्ता ने भविष्यवक्ता एलाइजा को जोसफ स्मिथ के पास पौरोहित्य कुंजियों को पुन स्थापित करने के लिए भेजा। (देखें सिस और

अनु 110)। उन कुंजियों के साथ मुहरबंद होने का अधिकार मिला, परमेश्वर की सबसे बड़ी भेंट अपने बच्चों को परिवारों का हमेशा के बंधनों में अनंत जीवन के लिए जुड़ जाना है।

इस संसार में परमेश्वर के आए प्रत्येक बच्चे के लिए यह एक प्रस्ताव है जो इसका दावा कर सकता है। उनके एक तिहाई आत्मिक बच्चों ने आत्मिक संसार में इस प्रस्ताव को अस्वीकृत किया था। पर्याप्त विश्वास की कमी से और फिर खुले विदोह से, उन्होंने स्वर्गीय पिता की अनंत परिवारों कि भेंट के आनंद को कभी नहीं चुना।

हम में से जो इस अत्यंत परिक्षा से पहले के जीवन के आत्मिक संसार को पारित कर चुके हैं और नाश्वर शरीर कि भेंट को प्राप्त करने के योग्य हुए हैं, अनंत जावन का चुनाव करना अभी भी हमारा निर्णय है। यदि हम आशीषित है पुन स्थापित सुसमाचार को पा कर, हम अनुबंधों को रखने और करने का चुनाव परमेश्वर के साथ कर सकते हैं जो हमें अनंत जीवन के योग्य बनाता है। जैसे की हम उस विश्वासीयता में टूट रहे हैं, पवित्र आत्मा हमें हमारी आशा और आत्मविश्वास की पुष्टि करता है कि हम अनंत जीवन के मार्ग पर हैं, परिवारों में रहने के लिए सिलेस्टियल राज्य में सदा के लिए।

कुछ के लिए, वह अनंत आनंद एक अस्पष्ट और धुंधली आशा हो। माता पिता, बच्चे, भाईयों और बहनों ने चुनाव किया हो जो उन्हें अनंत जीवन से अयोग्य करता हो। आप यह भी सोचते होंगे कि क्या आप योग्य हुए है यीशु मसीह के बलिदान द्वारा।

परमेश्वर के एक भविष्यवक्ता ने एकबार मुझे सलाह दी जो मुझे शांति देती है। मैं चिंतित था की दूसरों के चुनाव से हमारे परिवार का सदा के लिए साथ असंभव हो सकता है। उन्होंने कहा, “आप गलत समस्या के लिए चिंता कर रहे हो। आप बस सिलेस्टियल राज्य के योग्य रहें और परिवार कि व्यवस्था आप की सोच से भी अधिक आश्चर्यजनक होगी।”

उन सब के लिए जिनके निजी अनुभव या जिनकी शादी और बच्चों- या उसका अभाव— उनकी आशाओं पर छाया डालता है, मैं अपनी गवाही देता हूँ: स्वर्गीय पिता आपको अपने आत्मिक बच्चे जैसा जानते और प्रेम करते हैं। जब आप उनके और उनके प्रिय पुत्र के साथ इस जीवन से पहले थे, उन्होंने अपने मन में आप के लिए अनंत जीवन की आशा रखी। यीशु मसीह के बलिदान की शक्ति के साथ में कार्य करना और पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन से, आप अब महसूस कर सकते हैं और आने वाले संसार में भी परिवार का प्रेम महसूस करेंगे जो पिता और उनके प्रिय पुत्र आप को अधिकतर देना चाहते हैं।

मैं गवाही देता हूँ की जैसे की आप सिलेस्टियल राज्य के योग्य रहते हैं, भविष्यवाणी का वादा की “परिवार कि व्यवस्था आप की सोच से भी अधिक आश्चर्यजनक होगी” आपकी होगी।

इस संदेश से सीख

विचार करें वह क्षण बता कर जिन्हें आप पढ़ाते हैं जब आप आभारी रहें हों अनंत परिवारों कि आशा के लिए। आमंत्रित करें उन्हें उन क्षणों के बारे में ध्यान करने के लिए जब उन्होंने अनंत परिवारों के लिए आभार महसूस किया है। उनसे पूछें यदि वह बांटना चाहेंगे। आप उनको फिर आमंत्रित कर सकते हैं उन मार्गों के बारे में सोचने के लिए जिनसे सुधार और योग्य रहा जा सकता है सिलेस्टियल राज्य के लिए ताकी भविष्यवाणी का वादा, “परिवार कि व्यवस्था... आप की सोच से भी अधिक आश्चर्यजनक होगी” उनकी हो सके।

युवा

अनंत खुशी को बांटना

सु समाचार की एक सबसे अच्छी चीज मुक्ति की योजना का ज्ञान है। हमारे पास अपने परिवार के साथ अनंत तक रहने का अवसर है। वह ज्ञान हमें आशा देने में हमारी मदद करता है जब हम संसार से पराजित महसूस करते हैं। अध्यक्ष आईरिंग सीखाते हैं, “हमारे स्वर्गीय पिता हमारे मनो को जानते हैं। उनका उद्देश्य हमें खुशी देना है। और इसलिए उन्होंने इसे अपने पुत्र कि भेंट से संभव

किया ताकि परिवार के बंधन हमेशा के लिए बने रहें। इस संसार में आएं परमेश्वर के प्रेत्यक बच्चे के लिए यह एक प्रस्ताव है जो इसका दावा कर सकता है।

वह आशीष हम में से जो अभी जीवित है और जो जा चुके हैं उन पर लागू होती हैं—परन्तु केवल मदद हमारी मदद से। हमारे पूर्वज अभी आत्मिक संसार में है, प्रतीक्षा कर रहे हैं की हम उनके नामों को तैयार कर मंदिर की धर्मविधियों को उनकी ओर से प्रदर्शित करें। परन्तु कभी कभी उनके लिए काम करना मुश्किल हो सकता है। हम शायद बहुत व्यस्त हो, या हम मंदिर से काफी दूर रहते हो वहां अकसर जाने के लिए।

सौभाग्यवश, दूसरे तरीकों से हम अपने पूर्वजों की मदद कर सकते हैं, जैसे कि परिवारिक इतिहास का कार्य, अनुक्रमण. या अन माता पिता के बच्चों को देख कर जो मंदिर जाते हैं। मदद दवारा, प्रुभ की सेवा करते हैं और उन अनंत परिवारों को आशा देते हैं जो परदे की दूसरी ओर हैं।

बच्चें

परिवार सदा के लिए हैं

यीशु मसीह के बलिदान और पौरोहित्य की कुजियों कि पुन स्थापना से, हम अपने परिवारों के साथ सदा के लिए रह सकते हैं। आप अपने परिवार के बारे क्या पंसद करते हैं ? इन निट्टशों का पालन कर यह कागज की चेन बनाये अपने परिवार कि प्रशंसा करने के लिए।

1. एक कागज के टुकड़े को दो भाग में तह करे ताकि आप के पास एक लंबा पट्टी हो
2. एक व्यक्ति बनायें जिसके हाथ तह किये हुए कोनों तक पहुंचें।
3. व्यक्ति को कांटे। वहां ना कांटे जहां हाथ तह किये हुए कोनों को छुएं।
4. तह खोले। हर परिवार के सदस्य के विषय में कुछ भी जो आपको पंसद है बनायें या लिखें।
5. यदि आपका परिवार बड़ा है तो एक साथ विभिन्न चेन चिपकायें।



विश्वास, परिवार, सहायता

परिवारों का पोषण एक साथ करना

प्रार्थनापूर्वक इस सामग्री को पढ़ें और क्या बांटना है को जानने के लिये खोजें। किस प्रकार से “परिवार: संसार को एक घोषणा” की समझ आपका विश्वास परमेश्वर में बढ़ाता है और आपको आशीष देता है जिन्हें आप भेंट करने वाले शिक्षक हो देखते हैं? और जानकारी के लिए, देखें reliefsociety.lds.org

एक “पति और पत्नी की एकमत जिम्मेदारी है एक दूसरे और अपने बच्चों को प्रेम और उनका ध्यान रखने की।”¹ “घर को परमेश्वर के प्रेम और सेवा की प्रयोगशाला होना चाहिए,” कहां अध्यक्ष रसल एम. नेलसन, बारह प्रेरितों की परिषद के अध्यक्ष।

हमारे स्वर्गीय पिता चाहते हैं कि पति और पत्नियां एक दूसरे के साथ विश्वासनीय रहें और अपने बच्चों को सम्मान और प्रभु की विरासत, समझ व्यवहार करें।²

मॉरमन की पुस्तक में, याकूब ने कहां कि जो प्रेम पति और पत्नी के लिए रखते हैं, उनकी पत्नियां जो प्रेम अपने पतियों से करती हैं, और जो प्रेम वह दोनों अपने बच्चों से करते हैं वही एक कारण एक समय में था लमनाईटीयों का नफाईटीयों से अधिक ईमानदार होने का। (देखें याकूब 3:7)।

अपने घरों में प्रेम और सामंजस्य को आमंत्रित करने का सबसे अच्छा तरीका अपने परिवार के सदस्यों से नम्रता से बात करना है। नम्रता से बात करना पवित्र आत्मा को प्रस्तुत करता है। बहन लिंडा के बर्टन, सहायता संस्था की जनरल अध्यक्ष ने हमें गौर करने को कहां,

“कितनी बार हम एक दूसरे से स्वेच्छा से नम्रता के वचन बोलते हैं?”³

अतिरिक्त धर्मशास्त्र

रोमियों 12:10; मोसायाह 4:15; Doctrine and Covenants 25:5

जीवित कहानियां

एलडर डी, टौड क्रिसटौफरसन बारह प्रेरितों की परिषद के, ने अपने बचपन के अक अनुभव को बांटा जिसने उन्हें एक स्नेही परिवार के महत्त्व कि ओर प्रभावित किया। जब वह और उनके भाई लडके थे, उनकी मां का उग्र कैसर का आपरेशन हुआ जिसने उनके सीधे हाथ के इस्तेमाल में बहुत दर्द दिया। लडकों के इस परिवार के साथ, बहुतइस्त्री का काम था, परंतु जैसे ही मेरा इस्त्री करती, अकसर वह रुक जाता और अपने कमरे में जा कर खूब रोती जब तक दर्द कम ना हो जाता।

जब एलडर क्रिसटौफरसन के पिता को अहसास हुआ की क्या हो रहा है, वह गुप्त रूप से एक साल तक लंच के बिना जाते रहें पैसे बचाने के लिए ताकि वह मशीन खरीद सकें जो इस्त्री को आसान कर सकें। अपनी

पत्नी के प्रेम की ओर, उन्होंने अपने परिवारों में अपने लडकों के लिए एक उदाहरण स्थापित किया। इस नर्म बातचीत पर, एलडर क्रिसटौफरसन ने कहां, “मैं अपने पिता के सि वलिदान के बारे में और उस समय अपनी मां के प्रति इस कार्य को नहीं जानता था, परन्तु अब जब मैं जानता हूं, मैं अपने आप से कहता हूं, ‘एक व्यक्ति है।’”⁴

टिप्पणी

1. “परिवार: संसार को एक घोषणा,” *Liabona*, Nov. 2010, 129.
2. रसल एम. नेलसन, “Salvation and Exaltation,” *Liabona*, May 2008, 8.
3. लिंडा के. बर्टन, “We’ll Ascend Together,” *Liabona*, May 2015, 31.
4. डी टौड क्रिसटौफरसन, “Let Us Be Men,” *Liabona*, Nov. 2006, 46.

गौर करें

किस प्रकार से एक दूसरे की ओर स्नेही और देख-रेख करना आत्मा को हमारे घरों में आमंत्रित करता है ?